आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–17 *फरवरी* 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रयागराज महाकुंभ में बावन करोड़ छानबे लाख श्रद्धालुओं ने किया स्नान। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी और धर्मेन्द्र प्रधान ने भी लगायी आस्था की पावन डुबकी।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को बताया दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन। कुंभ की आस्था और जलवायु परिवर्तन विषयक सम्मेलन मे बोले मुख्यमंत्री–श्रद्धालुओं ने आयोजन को दी नई ऊंचाई।
- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुयी भगदड़ की उच्चस्तरीय जांच शुरू। यात्रियों की सुविधा और महाकुंभ मेले की भीड़ को देखते हुए नई दिल्ली से आज भी चलायी जायेंगी मेला विशेष ट्रेनें।
- दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आज सुबह महसूस किये गये भूकम्प के झटके। चार दशमलव शून्य मापी गयी भूकम्प की तीव्रता।

****

प्रयागराज महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में कल रात आठ बजे तक एक करोड़ उन्चास लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। महाकुंभ शुरू होने से लेकर कल तक बावन करोड़ छानवे लाख श्रद्धालु संगम में आस्था की पावन डुबकी लगा चुके थे। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

महाकुंभ में लगातार बड़ी संख्या में संत और श्रद्धालु आ रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये एक अलग तरह का दिव्य अनुभव है जो वर्षों तक याद रहेगा। उन्होंने व्यवस्थाओं के लिए राज्य सरकार की सराहना भी की।

डुबकी लगाने के बाद जो हम लोग अनुभव कर रहे हैं। यह अलग प्रकार का अनुभव हम कर रहे हैं और जिस प्रकार की व्यवस्था है, जिस प्रकार लोग जहां जगह मिली, वहां स्नान कर रहे हैं, यह अद्भुत है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और धर्मेंद्र प्रधान भी महाकुंभ पहुंचे। पवित्र डुबकी लगाने के बाद श्री गडकरी ने कहा कि महाकुंभ महज एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को दर्शाता है, जहां पूरे देश के लोग आस्था और संस्कृति से बंधे हैं।

प्रदेश की सरकार ने इतनी कठिन बात को इतनी आसानी से इतनी अच्छी व्यवस्था की और यहां के प्रशासन ने, पुलिस ने, कर्मचारियों ने देशभर की आस्था के कारण अपनी खुद की गाडी लेकर लोग आ रहे हैं। बहुत अच्छा है और गंगा माता का आर्शीवाद हमको मिलेगा।

श्री प्रधान ने कहा कि महाकुंभ आध्यात्मिक ऊर्जा और भारत की एकता का सबसे बड़ा संगम है। आकाशवाणी समाचार ने संगम पर कई श्रद्धालुओं से भी बात की जिन्होंने कहा कि यह एक दिव्य अनुभव था जिसे उन्होंने अपने दोस्तों और परिवार के साथ साझा किया।

हम लोग अम्बाला से पहली बार प्रयागराज में आए हैं। बहुत अच्छा लगा, फिर हमने प्रयागराज में दर्शन किए और यहां का जो हिसाब देखा मैने क्या, जो भी अरेंजमेंज सरकार था वो बहुत ही अच्छा था।

महाकुंभ अपने समापन की ओर है जिसमें अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने और दिव्य अनुभव का गवाह बनने की संभावना है। आदर्श के साथ अभिषेक कपिल, आकाशवाणी समाचार प्रयागराज

महाकुंभ छब्बीस फरवरी तक चलेगा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ सिर्फ एक धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि एकता का संदेश देने वाला पर्व है। मुख्यमंत्री कल शाम प्रयागराज में कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कथा कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इसके पहले कल दिन में उन्होंने प्रयागराज में कुम्भ की आस्था और जलवायु परिवर्तन विषय पर सम्मेलन को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बन गया है–

माँ गंगा, यमुना और माँ सरस्वती की इस पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा रहा है वह एक आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहा होगा। अपने अनुभव को जो अपने गांव में और अपने आसपास के क्षेत्र में साझा कर रहा है तो वहां से फिर बड़े पैमाने पर श्रद्धालु आकर के इस पूरे आयोजन को सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचा रहे हैं कि दुनिया का ये सबसे बड़ा आयोजन बन गया है।

इस अवसर पर वन मंत्री और कई धार्मिक, अध्यात्मिक संत भी उपस्थित रहे।

****

वाराणसी में काशी–तमिल संगमम के तीसरे संस्करण में कल दूसरे दिन तमिलनाडु से आये मेहमानों ने गंगा स्नान के बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम सहित अन्य प्राचीन मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर इन मेहमानों का पुष्प वर्षा कर डमरू नाद के बीच भव्य स्वागत किया गया। तमिल मेहमान हनुमान धाट स्थित प्रसिद्ध कवि सुब्रम्णयम भारती के घर भी गये और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उधर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में काशी–तमिल संगमम के अंतर्गत आयोजित हो रहे बौद्धिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल विशेष शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्वानों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया।

****

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात हुई भगदड़ की उच्च स्तरीय जांच शुरू हो गई है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया घटना की जांच के लिए उच्च–स्तरीय समिति गठित की गई है।

एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है जिसमें पंकज गंगवार, प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर नॉर्दन रेलवे और नरसिंह दास प्रिंसिपल चीफ कामर्शियल मैनेजर, नॉर्दन रेलवे की अगुवाई में दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है।

दिल्ली पुलिस भी भगदड़ से पहले के घटनाक्रम का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करेगी। भारतीय रेलवे ने दुर्घटना में मारे गए अठारह लोगों के परिजनों को दस दस लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी है। रेलवे ने एक वक्तव्य में कहा है कि गंभीर रूप से घायल तीन यात्रियों को ढाई–ढाई लाख रुपए दिए गए हैं। साधारण रूप से घायल बारह लोगों को एक–एक लाख रुपए दिए जा चुके हैं। रेलवे शेष दो घायलों को वित्तीय सहायता देने की प्रक्रिया में है। कुल पंद्रह घायल यात्रियों में से ग्यारह यात्रियों को उचित चिकित्सा उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और चार यात्री अभी अस्पताल में भर्ती हैं।

इस बीच, उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और महाकुंभ मेले के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए कल से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से प्रयागराज जंक्शन तक नई महाकुंभ मेला विशेष रेलगाडियां शुरू कीं। इसी क्रम में आज वहां से पांच रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। नई दिल्ली से प्रयागराज के लिए विशेष ट्रेनें प्लेटफॉर्म नंबर सोलह से चलाई जाएंगी।

****

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आज सुबह भूकम्प के झटके महसूस किये गये। भूकम्प आज सबेरे पांच बजकर छत्तीस मिनट पर आया और नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक इसकी तीव्रता चार दशमलव शून्य मापी गयी। भूकम्प का केन्द्र राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के करीब रहा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तहत आने वाले प्रदेश के गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद समेत आसपास के जिलों में भी भूकम्प के झटके महसूस किये गये

****

प्रदेश विधानमण्डल का बजट सत्र कल से शुरू होने जा रहा है। सत्र की तैयारियों के क्रम में आज सर्वदलीय और कार्य मंत्रणा समिति की बैठकें होंगी। विधानमण्डल के बजट सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कल विधान भवन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को परखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। विधानमण्डल के इस सत्र में बीस फरवरी को प्रदेश सरकार की तरफ से बजट पेश किये जाने की उम्मीद है।

****

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने फास्टैग के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किये हैं। नये नियम आज से लागू हो गये हैं। अब कम बैलेंस वाले फास्टैग, देरी से भुगतान और ब्लैकलिस्टेड टैग वाले प्रयोगकर्ता पर अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। नये नियमों के मुताबिक यदि वाहन के टोल पार करने से पहले साठ मिनट से अधिक समय तक फास्टैग निष्क्रिय रहता है और वाहन के टोल पार करने के दस मिनट बाद तक निष्क्रिय रहता है तो लेनदेन अस्वीकार कर दिया जायेगा।

****